संकलित परीक्षा – I (2014)

हिन्दी 'ब'

कक्षा – X

निर्धारित समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 90**

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के **चार खंड** हैं – **क, ख, ग** और **घ**।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड-क

(अपठित बोध)

1 **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** 12

वातावरण में असंख्य रोगाणु होते हैं। ये हमारे शरीर में प्रवेश पाने का प्रयत्न करते हैं, ताकि इन्हें आश्रय के साथ-साथ भोजन भी मिल सके। शरीर के ऊतकों को खा-खाकर ये पनपते-बढ़ते और प्रजनन करते हैं। इनके प्रभाव से भाँति-भाँति के रोग उत्पन्न हो जाते हैं। शरीर इन रोगाणुओं को भीतर प्रविष्ट होने से रोकने का प्रयत्न करता है और उनसे अनेक रूप से लड़ता-भिड़ता है। त्वचा, देह रूपी दुर्ग की बाहरी दीवार है। यह दीवार मुख्यतः दो प्रकार से शरीर की रक्षा करती है। प्रथम, यह शरीर की नमी को भाप बनकर उड जाने से रोकती है। दूसरे, वायु और वस्त्रादि के सम्पर्क से अपने ऊपर जमने वाले असंख्य रोगाणुओं को यह बाहर ही रोके रहती है। परन्तु ये रोगाणु घात लगाए बैठे रहते हैं कि कब कहीं त्वचा कटे या फटे और ये भीतर घुसें। मल-मल कर नहाते समय हम अनजाने ही इन सूक्ष्म रोगाणुओं को धो-धोकर त्वचा से हटाते रहते हैं। साँस लेते समय वायु के साथ भाँति-भाँति के रोगाणु हमारी नाक द्वारा भीतर जाते हैं। इनमें से कुछ को तो नाक के बाल ही भीतर जाने से रोक देते हैं कुछ रोगाणु नाक के भीतर के श्लेष्मा (लसदार स्राव) में चिपककर फँस जाते है। बलगम के रूप में फेफड़ों से बाहर निकलनेवाला यही श्लेष्मा अपने साथ रोगाणुओं को भी बाहर निकाल फेंकता है।

(1) रोगाणु हमारे शरीर में क्यों प्रवेश करते हैं और प्रवेश कर क्या-क्या करते हैं ?

http://jsuniltutorial.weebly.com/

	(2) त्वचा शरीर की रक्षा किस प्रकार करती है ? (3) वायु के द्वारा घुसने वाले रोगाणुओं को रोकने के लिए हमारा शरीर किस प्रकार काम करता है ? (4) नहाने से रोगाणुओं को हटाने में कैसे सहायता मिलती है ? (5) अर्थ स्पष्ट कीजिए 'त्वचा देह रूपी दुर्ग की बाहरी दीवार है।' (6) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए तथा गद्यांश से उसका संबंध स्थापित कीजिए।	
2	**निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए —** हमें चाहिए सुख न तनिक भी, दुख से दुख ये प्राण सहें। व्यथित हृदय में बस करुणा के, भाव स्रोत ही सदा बहें। घृणा नहीं हो हमें किसी से, सभी जनों से प्यार रहे। कोलाहल-विहीन नित अपना, सूना ही संसार रहे। यदि जग हमसे रहे रुष्ट भी, तो भी हमें न रोष रहे, हो न महत्त्व-मनोरथ मन में, लघुता में संतोष रहे। परम तृषाकुल इन नयनों में, पावन प्रेम प्रवाह रहे, केवल यही चाह है उर में, कभी न कोई चाह रहे। कोई भी विपत्ति आ जाए, हृदय कभी भयभीत न हो, कोई भी जीवन का संकट, संकट हमें प्रतीत न हो। चाहे इस संसार-समर में, कभी हमारी जीत न हो। किन्तु हृदय से दूर हमारे, यह जीवन संगीत न हो।।	8

http://jsuniltutorial.weebly.com/

		(i) कवि ने संसार को क्या माना है तथा वह अपने हृदय से किस तत्व को दूर नहीं करना चाहता? (ii) कविता में किसे सहन करने की कामना के साथ अपने दुखी हृदय में क्या समाए रखने की ललक व्यक्त की गई है ? इसे व्यक्ति की किस प्रवृत्ति का परिचायक माना गया है? (iii) संसार के रूठे रहने पर भी कवि स्वयं किसी से क्यों रुष्ट नहीं होना चाहते? उनकी इस वृत्ति में कौन-सी भावना छिपी है? (iv) ''केवल यही चाह है उर में, कभी न कोई चाह रहे'' का भाव स्पष्ट कीजिए तथा बताइए ऐसी वृत्तिवाला व्यक्ति क्या कहलाता है?	
		खण्ड-ख **(व्यावहारिक व्याकरण)**	
3		**निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए-** (i) पाँच बजने पर मज़दूर चले जाते हैं। (मिश्र वाक्य में) (ii) अध्यापिका के समझाने पर सब बच्चे तैयार हो गए। (संयुक्त वाक्य में) (iii) गौरव ने अक्षय से कहा कि वह भी तैयार रहे। (सरल वाक्य में)	3
4		**निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए-** (i) ठंडा भैंस का ताकतवर दूध होता है। (ii) तुम केवल मात्र आज रह सकते हो। (iii) चोरों का नाम बताओ। (iv) कई शरीर के अंग होते हैं।	4
5	(i)	निम्नलिखित समस्त-पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए - माखन चोर, राजा-रंक	4

http://jsuniltutorial.weebly.com/

		(ii) निम्नलिखित शब्दों से समास बनाइए तथा नाम भी लिखिए – विष को धारण करने वाला है जो अर्थात् शेषनाग पूर्व और पश्चिम	
	6	(क) शब्द पद कब बनता है ? (ख) सुरेश ने एक सेब खाया। (रेखांकित पद है या शब्द)	2
	7	निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए – टाँग अड़ाना, लाल–पीला होना।	2
		खण्ड–ग **(पाठ्य–पुस्तक)**	
		निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (2+2+1)	
	8(i)	उपभोक्ता की रुचियों के विषय में शैलेन्द्र के क्या विचार थे ?	2
	(ii)	'बड़े भाई साहब' कहानी में छोटा भाई अपनी शालीनता का निर्वाह क्यों नहीं करता हैं ?	2
	(iii)	'डायरी का एक पन्ना' पाठ में मैदान की सभा को क्या नाम दिया गया है ? क्यों ?	1
	9	तताँरा का चरित्र – चित्रण करने में कहानीकार ने अतिशयोक्ति का प्रयोग किया है। उसके कौन–से गुण उसे साधारण मनुष्य से जोड़ते हैं? विस्तारपूर्वक लिखिए।	5

http://jsuniltutorial.weebly.com/

	10	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-(2+2+1)** मैं तुमसे पाँच साल बड़ा हूँ और हमेशा रहूँगा। मुझे दुनिया का और ज़िंदगी का जो तजुरबा है, तुम उसकी बराबरी नहीं कर सकते, चाहे तुम एम.ए.और डी.लिट् और डी.फिल् ही क्यों न हो जाओ। समझ किताबें पढ़ने से नहीं आती, दुनिया देखने से आती है। हमारी अम्माँ ने कोई दरजा नहीं पास किया और दादा भी शायद पाँचवीं-छठी जमात के आगे नहीं गए, लेकिन हम दोनों चाहे सारी दुनिया की विद्या पढ़ लें, अम्माँ और दादा को हमें समझाने और सुधारने का अधिकार हमेशा रहेगा। केवल इसलिए नहीं कि वे हमारे जन्मदाता हैं, बल्कि इसलिए कि उन्हें दुनिया का हमसे ज़्यादा तजुरबा है और रहेगा। अमेरिका में किस तरह की राज-व्यवस्था है, और आठवें हेनरी ने कितने ब्याह किए और आकाश में कितने नक्षत्र हैं, यह बातें चाहे उन्हें न मालूम हों, लेकिन हज़ारों ऐसी बातें हैं, जिनका ज्ञान उन्हें हमसे और तुमसे ज़्यादा है। (1) माँ-बाप को बच्चों को समझाने का अधिकार क्यों है ? (2) कम ज्ञान होने पर भी बड़े व्यक्तियों की समझ अधिक क्यों होती है ? (3) बड़े भाई साहब के अनुसार समझ कैसे आती है ?	5
		निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (2+2+1)	
	11(i)	मीरा वृंदावन की कुंजगली में ही गोविन्द लीला का गान क्यों करना चाहती हैं?	2
	(ii)	विरह रूपी सर्प कबीर के अनुसार कौन है और 'मंत्र' किसे कहा गया है?	2
	(iii)	'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में गिरि के गौरव को कौन गा रहा है?	1
	12	'तोप' का मुँह बंद होना क्या संदेश देता है ? इससे हमें क्या शिक्षा लेनी चाहिए, तर्क सहित उत्तर लिखिए।	5

http://jsuniltutorial.weebly.com/

13	'हरिहर काका' पाठ के आधार पर बताइए कि काका का अपने सगे लोगों से कर मोहभंग क्यों हो गया था? एक पारिवारिक व्यक्ति के नाते आप इससे क्या प्रेरणा ग्रहण करते हैं?	5
	खण्ड-घ **(लेखन)**	
	दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।	
14(i)	'समाचार-पत्र का असर' • आवश्यकता • शिक्षा से समाचार-पत्रों की बढ़ोत्तरी • समाचार पत्र एक ज़रूरत	5
(ii)	मन के हारे हार है, मन के जीते जीत • आत्म विश्वास या मनोबल का महत्व • जीत मैदान में नहीं, मन में। • व्यक्तित्व निर्माण का आधार	5
(iii)	एक सैनिक की आत्मकथा • सैनिक की दिनचर्या • संघर्ष • चुनौतियाँ	5
15	खेलों के लिए आवश्यक तैयारी और खेल का सामान उपलब्ध कराने के लिए प्रधानाचार्य को आवेदन पत्र लिखिए।	5
16	विद्यालय-भवन का निर्माण कार्य चल रहा है। वहाँ कोई विद्यार्थी न जाए, इससे संबंधित सूचना विद्यालय के सूचना-	5

http://jsuniltutorial.weebly.com/

		पट के लिए लिखिए।	
	17	आपके सुलेख प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने पर आपके और प्रधानाचार्य के मध्य के हुए संवाद को लगभग **50** शब्दों में लिखिए।	5
	18	आपका अंग्रेज़ी और हिन्दी दोनों भाषाओं का ज्ञान उच्च कोटि का है। आप अपने भाषा ज्ञान का लाभ उठाकर गर्मियों की छुट्टियों में अर्थोपार्जन करना चाहते है। एक विज्ञापन लिखिए।	5

http://jsuniltutorial.weebly.com/